

मृष्ट वि. (तत्.) शोधित, शुद्ध किया हुआ, परिष्कृत।

मृष्टि स्त्री. (तत्.) परिशुद्धि, शोधन, परिष्करण।

में विभ. (सं.मध्य, प्रा.मज्झ, हि.मँह) देश. अधिकरण कारक का चिह्न जो किसी शब्द के साथ यह विभिन्न अर्थ देता है- (क) गले में छाले पड़ना (ख) चारों ओर जैसे- गले में हार पहनना (ग) किसी स्थिति के आधार पर जैसे- पेड़ में फल लगना (घ) अवधि के आधार पर जैसे- यह कार्य एक घंटे में हो जाएगा (ङ) किसी वर्ग या समूह के आधार पर जैसे- कवियों में कालिदास सर्वश्रेष्ठ थे (च) कार्य व्यापार के आधार पर- जैसे-दिन भर काम में लगा रहना।

मेंगनी स्त्री. (देश.) छोटे पशुओं की विष्ठा जो छोटी-छोटी गोलियों के रूप में होती है जैसे- भेड़, बकरी की मेंगनी, चूहे की मेंगनी।

मेंजा पुं. (देश.) मेंढक, दादुर।

मेंडरा पुं. (तद्.) 1. मंडल, घेरने के लिए बनाया गया गोलाकार क्षेत्र या वस्तु जैसे ढोलक या तबले का मेंडरा जो चमड़े के चारों ओर लगाया जाता है 2. किसी गोल वस्तु का उभरा हुआ किनारा 3. किसी वस्तु का गोलाकार ढाँचा जैसे- आटा छानने की चलनी का मेंडरा 2. मेंडुरी।

मेंडराना स.क्रि. (देश.) किसी वस्तु के चारों ओर घेरा या मेंडरा बनाना।

मेंड़ स्त्री. (देश.) 1. ऊँची उठी संकरी जमीन जो लंबाई में आगे तक बनी हो 2. दो खेतों के बीच बनाई गई संकरी ऊपर उठी जमीन जो दोनों खेतों की सीमा-बताती है और इस पतली पगडंडी पर लोग चल सकते हैं, पगडंडी, डाँड़ 3. रोक, आड़ 4. मर्यादा।

मेंड़बंदी स्त्री. (देश.) मेंड़ बनाने का कार्य या अवस्था।

मेंढक पुं. (तद्.) 1. दादुर, जल और थल दोनों में रहने वाला कीट भक्षी चार पैरों वाला एक छोटा जंतु 2. रहस्य संप्रदाय में मन को मेंढक कहा

गया है जिसे अंत में कालरूपी सर्प निगल जाता है।

मेंढकी स्त्री. (तद्.) मादा मेंढक।

मेंधी स्त्री. (तत्.) मेंहदी, एक कंटीली झाड़ी जिसकी पत्तियों को पीसने से गहरा लाल रंग प्राप्त होता है दे. मेंहदी।

मेंबर पुं. (अं.) सदस्य।

मेंबरी स्त्री. (देश.) सदस्य या मेंबर होने की अवस्था या भाव, सदस्यता।

मेंह पुं. (तद्.) 1. मेघ 2. आकाश से वर्षा रूप में गिरने वाला जल 3. वर्षा।

मेंहदिया वि. (देश.) 1. मेंहदी की तरह हरापन लिए लाल रंग वाला पुं. 2. उक्त प्रकार का रंग।

मेंहदी स्त्री. (तद्.) 1. एक कंटीली झाड़ी जिसकी पत्तियों को पीसने से या सूखी पत्तियों के चूर्ण को पानी में भिगोने से गहरा लाल रंग प्राप्त होता है जिसका उपयोग महिलायें हथेलियों को अलंकृत करने, बालों को रंगने आदि के लिये करती हैं 2. उक्त पौधे की पत्तियों का पिसा चूर्ण मुहा. मेंहदी रचना, मेंहदी रचाना, मेंहदी लगाना- 1. मेंहदी का अच्छा और गहरा रंग आना, हथेलियों और तलुवों में मेंहदी लगाना 2. विवाह से पूर्व मेंहदी लगाने की एक रस्म।

मेअराज पुं. (अर.) 1. ऊपर चढ़ने की सीढ़ी 2. मोहम्मद साहब के जीवन की वह घटना जिसमें यह माना जाता है कि उन्होंने आकाश में चढ़कर ईश्वर से भेंट की थी।

मेक पुं. (तत्.) में-में की आवाज करने वाला अर्थात् बकरा, मेंढा।

मेकअप पुं. (अं.) 1. सौन्दर्य वृद्धि के लिए शरीर पर सौंदर्य-प्रसाधन सामग्री लगाने की क्रिया, रूप सज्जा 2. छापेखाने में कंपोज किये शब्दों या अक्षरों को पृष्ठों के रूप में लाना, पेज बाँधना।

मेकदार स्त्री. (अर.) मिकदार, मात्रा, तौल, वजन।